हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

व्याख्यान सूची

परास्नातक पाठ्यक्रम

सत्र 2023–24

(अद्यतन)

24 मई 2023 की पाठ्यक्रम समिति से संस्तुत,

~~30 मई 2023 को फैकल्टी बोर्ड की बैठक में स्वीकृत एवं एकेडेमिक काउंसिल की स्वीकृति के लिए अग्रेषित~~

अध्यक्ष

हिंदी विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

प्रयागराज

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

एम0ए0 (सी0बी0सी0एस0)

सत्र 2023–24

एम.ए. प्रथम सत्र (हिन्दी)

क्रसं..	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	प्रथम	04	प्राचीन काव्य एवं निर्गुण भक्तिकाव्य (PRACHIN KAVYA EVAM NIRGUN BHAKTIKAVYA)	HIN-511
2	द्वितीय	04	हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाएँ (HINDI GADYA KI VIBHINN VIDHAYEN)	HIN-512
3	तृतीय	04	भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना (BHARTIYA KAVYASHASTRA EVAM HINDI ALOCHANA)	HIN-513
4	चतुर्थ	04	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक) [HINDI SAHITYA KA ITIHAS (ARAMBH SE RITIKAL TAK)]	HIN-514
5	पंचम	04	भारतीय साहित्य (BHARTIYA SAHITYA)	HIN-515

एम.ए. द्वितीय सत्र (हिन्दी)

क्रसं..	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	छठा	04	सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य (SAGUN BHAKTIKAVYA EVAM RITIKAVYA)	HIN-516
2	सातवाँ	04	नाटक, रंगमंच एवं अन्य गद्य विधाएँ (NATAK, RANGMANCH EVAM ANYA GADYA VIDHAYEN)	HIN-517
3	आठवाँ	04	पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत (PASHCHATYA SAMIKSHA SIDDHANT)	HIN-518
4	नौवाँ	04	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) [HINDI SAHITYA KA ITIHAS (ADHUNIK KAL)]	HIN-519
5	दसवाँ	04	लोक साहित्य (LOK SAHITYA)	HIN-520

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

प्राचीन काव्य एवं निर्गुण भक्तिकाव्य

(नरपति नाल्ह, चन्दबरदाई, विद्यापति, कबीर, रैदास एवं जायसी : अध्ययन और अलोचना)

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 511**

इकाई : 1

- आदिकालीन साहित्य का परिचय
- रासो काव्य परंपरा प्रवृतियाँ एवं प्रमुख रचनाएं
- नरपति नाल्ह और बीसलदेव रास : व्याख्या और आलोचना

  व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ : पद

  1, 3, 5, 10, 27, 28, 29, 33, 35, 36, 39, 45, 49, 50, 61, 65, 67, 68, 69, 71, 73, 76, 77, 79, 81 (कुल 25 पद)

  बीसलदेव रासो : सम्पादक– माताप्रसाद गुप्त
- चन्दबरदाई और पृथ्वीराज रासो, व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ : **कयमास वध : सम्पादक– हजारीप्रसाद द्विवेदी**

इकाई : 2

- विद्यापति : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

  व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ : पद

  1, 2, 7, 9, 11, 13, 17, 19, 20, 21, 23, 29, 32, 33, 41, 46, 47, 48, 49, 75 (कुल 20 पद)

  निर्धारित पुस्तक : विद्यापति संचयन– सम्पादक डॉ0 लालसा यादव

इकाई : 3

- भक्ति साहित्य की विविध धाराएँ : संक्षिप्त परिचय एवं महत्त्वपूर्ण कवि
- हिन्दी की संत काव्य परम्परा और कबीर का साहित्य

  व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक : **कबीर वाणी सुधा : सम्पादक डॉ0 पारसनाथ तिवारी**

  पद संख्या– 1, 3, 4, 7, 8, 9, 12, 18, 23, 33, 34, 38, 41, 44, 47, 49, 50, 53, 59, 64 (कुल 20 पद)

  साखी– परचा को अंग

इकाई : 4

- रैदास : व्याख्या एवं आलोचना

  व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक : **रैदास की वाणी, सम्पादक योगेन्द्र सिंह**

  पद संख्या 6, 7, 9, 12, 13, 14, 16, 22, 23, 27, 28, 35, 37, 38, 39

  (कुल 15 पद)

इकाई : 5

- हिन्दी का प्रेमाख्यानक काव्य परम्परा और जायसी

  जायसी का काव्य : व्याख्या एवं आलोचना

  जायसी ग्रंथावली : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (संदेश खण्ड)

संदर्भ पुस्तकें :

रासो काव्य विमर्श	:	माता प्रसाद गुप्त
बीसलदेव रास	:	संपा0 माता प्रसाद गुप्त
बीसलदेव रास : एक गवेषणा	:	सीताराम शास्त्री
विद्यापति	:	शिव प्रसाद सिंह
विद्यापति संचयन	:	डॉ0 लालसा यादव
विद्यापति	:	आनन्द प्रकाश दीक्षित
विद्यापति का काव्य सौन्दर्य	:	डॉ0 लालसा यादव
विद्यापति	:	संपा0 अजय तिवारी ,सूर्यनारायण
कबीर मीमांसा	:	रामचन्द्र तिवारी
कबीर	:	हजारी प्रसाद द्विवेदी
अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय	:	पुरुषोत्तम अग्रवाल
कबीर : साखी और शबद	:	वासुदेव सिंह
रैदास	:	संपा0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
संत रैदास	:	संपा0 कँवल भारती
जायसी	:	विजयदेव नारायण साही
जायरी ग्रन्थावली	:	रामचन्द्र शुक्ल
जायसी : एक नई दृष्टि	:	रघुवंश
पृथ्वीराज रासो	:	नामवर सिंह
भक्ति के तीन स्वर	:	जॉन स्ट्राटन हॉली
भक्ति आन्दोलन : पुनर्पाठ	:	शम्भुनाथ
भक्ति आन्दोलन और काव्य	:	गोपेश्वर सिंह
विद्यापति : पुनर्पाठ	:	सूर्यनारायण

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र
हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाएँ

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 512**

इकाई : 1

- हिन्दी निबन्ध :स्वरूप एवं विकास
- निबन्ध के प्रकार एवं शैलियाँ
- हिन्दी कहानी : स्वरूप एवं विकास
- कहानी के तत्व, कला एवं अंतर्वस्तु

इकाई : 2

- बालकृष्ण भट्ट के निबंधों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पाठः (क)साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है (ख)सच्ची समालोचना
- कहानी : सद्गति (प्रेमचंद), परदा (यशपाल)

इकाई : 3

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पाठ : (क) मनोविकारों का विकास (ख) कविता क्या है ?
- कहानियों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पाठ : बदबू (शेखर जोशी), डिप्टी कलेक्टरी (अमरकांत)

इकाई : 4

- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  (क) प्रायश्चित की घड़ी (ख) मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है
- हरिशंकर परसाई के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या
  (क) निन्दा रस
- कहानियों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पाठ : तिरिछ (उदय प्रकाश), सलाम (ओमप्रकाश वाल्मीकि),
  वापसी (उषा प्रियंवदा)

इकाई : 5

उपन्यास

- हिन्दी उपन्यास : विकास परम्परा
- उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या–

निर्धारित पाठ : गोदान : प्रेमचंद

तेरा संगी कोई नहीं : मिथिलेश्वर

संदर्भ पुस्तकें :

आयन वॉट	:	उपन्यास का उदय (अनु0)
राल्फ फॉक्स	:	उपन्यास और लोकजीवन (अनु0)
जार्ज लुकाच	:	उपन्यास के सिद्धान्त (अनु0)
ई0एम0 फास्टर्स	:	उपन्यास के पहलू (अनु0)
परमानन्द श्रीवास्तव	:	उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा
राजेन्द्र यादव	:	कहानी : शिल्प और संवेदना
नामवर सिंह	:	कहानी : नई कहानी
देवीशंकर अवस्थी	:	नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति
बटरोही	:	कहानी : रचना–प्रक्रिया और स्वरूप
उपेन्द्रनाथ अश्क	:	हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय
सत्यप्रकाश मिश्र (संपा0)	:	गोदान
इन्द्रनाथ मदान (संपा0)	:	गोदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (संपा0)	:	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मलयज	:	रामचन्द्र शुक्ल
तुम्हारा परसाई	:	कांति कुमार जैन
बालकृष्ण भट्ट के श्रेष्ठ निबंध	:	सत्य प्रकाश मिश्र

पत्रिकाएं

सोच विचार (मिथिलेश्वर विशेषांक), आजकल, अनहद और बनास जन (शेखर जोशी केन्द्रित अंक)

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र
भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 513**

इकाई : 1

- भारतीय काव्यशास्त्र के विधायक तत्व – काव्य लक्षण, काव्य गुण, काव्य दोष, काव्य हेतु ,काव्य प्रयोजन, काव्य स्वरूप, काव्यवृत्ति, साधारणीकरण, काव्य प्रतिभा
- विविध सम्प्रदाय : प्रमुख आचार्य और उनके मत
  (क) रस, (ख) अलंकार, (ग) रीति,
  (घ) वक्रोक्ति, (ङ) ध्वनि, (च) औचित्य

इकाई : 2

- नाट्य सिद्धान्त
- नाट्य रचना के तत्त्व और प्रयोग
  वस्तु, नेता, रस, अभिनय
  रंग–कर्म, सामाजिक और सूत्रधार

इकाई : 3

- संस्कृत काव्यशास्त्र में भाषा विवेचन :
  (क) शब्द शक्तियाँ,
  (ख) शब्दार्थ–मीमांसा : अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, स्फोट, ध्वनि, वृत्तियां।

इकाई : 4

छन्दशास्त्र :

(क) छंद की अवधारणा और परिवर्तन क्रम
(ख) हिन्दी छंद शास्त्र का विकास
(ग) छंद के विविध आधार : लय, ताल, तुक।

इकाई : 5

- हिन्दी काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना की रूपरेखा
  (क) भक्तिकालीन कवियों के काव्य सिद्धान्त और भक्ति रस
  (ख) रीतिकालीन आचार्यों के काव्यसिद्धान्त और मौलिक उद्भावनाएं :
  आत्म सजगता, पदविन्यास, कलात्मकता
  (विशेष संदर्भ : केशव, देव, चिन्तामणि, भिखारीदास : काव्य लक्षण और कवि–शिक्षा)
  (ग) आधुनिक हिन्दी आलोचना का आरंभिक स्वरूप
  (घ) रामचंद्र शुक्ल और उनकी आलोचना के मानदण्ड–लोकमंगल की भावना, रस की कोटियाँ, साधारणीकरण।
  (ङ.) शुक्लोत्तर समीक्षा और समीक्षक
  (च) प्रगतिशील आलोचना

संदर्भ पुस्तकें :

गणेश त्रयम्बक देशपाण्डे	:	साहित्यशास्त्र
कान्तिचंद पांडे	:	स्वतंत्र कलाशास्त्र (भाग–1)
सुशील कुमार डे	:	संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास (2–खण्ड अनु0)
राघवन	:	श्रृंगार प्रकाश (अनु0)
बलदेव उपाध्याय	:	संस्कृत आलोचना
एम0 हिरियना	:	कला अनुभव
राममूर्ति त्रिपाठी	:	भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज
हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक
डॉ0 नगेन्द्र	:	रस सिद्धान्त
रामचन्द्र शुक्ल	:	रस मीमांसा
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	भारतीय काव्यशास्त्र
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	हिन्दी काव्यशास्त्र के मूलाधार
प्रेमकान्त टण्डन	:	साधारणीकरण और सौन्दर्यानुभूति
केशवदास	:	कविप्रिया
भिखारीदास	:	काव्यनिर्णय
देवदत्त कौशिक	:	संस्कृत काव्यशास्त्र में व्यावहारिक समीक्षा
अज्ञेय, संपा0	:	समकालीन कविता में छंद
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	हिन्दी वैष्णव भक्ति काव्य में निहित काव्यादर्श एवं काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त
किशोरीलाल	:	रीतिकालीन कवियों की मौलिक देन
सत्यप्रकाश मिश्र	:	कवि–शिक्षा की परंपरा और हिन्दी रीतिसाहित्य
निशा अग्रवाल	:	सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध
पुत्तूलाल शुक्ल	:	आधुनिक हिन्दी कविता में छंद योजना

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 514

इकाई : 1

साहित्येतिहास दर्शन :

- इतिहास क्या है ? साहित्य का इतिहास लेखन – दर्शन, दृष्टि और विचारधारा
- काल–विभाजन और नामकरण : समस्या एवं आधार

इकाई : 2

आदिकाल :

- हिन्दी साहित्य का आरम्भ
- आदिकालीन हिन्दी साहित्य की प्रमुख धाराएँ
- आदिकालीन हिन्दी साहित्य का सांस्कृतिक एवं वैचारिक प्रदेय और रचनात्मक प्रवृतियाँ

इकाई : 3

भक्तिकाल :

- भक्ति आंदोलन का उदय : सांस्कृतिक, दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल– लोक जागरण एवं सांस्कृतिक समन्वय
- निर्गुण भक्ति – संत काव्य परम्परा : साहित्यिक, सांस्कृतिक अवदान
- सूफ़ी काव्य परम्परा : साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अवदान

इकाई : 4

सगुण भक्ति–काव्य (कृष्णभक्ति काव्य तथा रामभक्ति काव्य)

- अष्टछाप और उसके प्रमुख कवि
- सम्प्रदाय–मुक्त कृष्ण भक्ति धारा के कवि और उनका काव्य : मीरा और रसखान
- कृष्ण–भक्तिकाव्य का सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रदेय
- रामभक्ति धारा : सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रदेय
- तुलसीदास और उनका काव्य

इकाई : 5

उत्तर–भक्तिकाल और रीतिकाल का अन्तर्सम्बन्ध

- रीतिकालीन काव्य : विविध धाराएँ एवं प्रवृतियाँ
- रीतिकाल की अन्य धाराएं : वीर काव्य, नीति काव्य और भक्ति काव्य
- रीतिकालीन कविता के मूल्यांकन का नया परिप्रेक्ष्य

संदर्भ पुस्तकें :

हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	रामचंद्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	:	हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिंदी साहित्य का अतीत (खण्ड 2)	:	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास	:	रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दी साहित्य का इतिहास (सं0)	:	नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास	:	रामकिशोर शर्मा
भक्ति साहित्य का इतिहास	:	प्रेमशंकर
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य	:	कुंवरपाल सिंह
उत्तरी भारत की संत परंपरा	:	परशुराम चतुर्वेदी
ह्वाट इज हिस्ट्री	:	ई0एच0 कार
ए टेक्टबुक आफ हिस्टिरियोग्राफी	:	ई0 श्रीधरन
हिस्ट्री एण्ड हिस्टोरियन्स : ए हिस्टरियोग्राफिकल इंट्रोडक्शन	:	मार्क टी0 ग्लिडर्हस
साहित्य और इतिहास दृष्टि	:	मैनेजर पाण्डेय
साहित्येतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य की ऐतिहासिक प्रक्रिया	:	हरिश्चंद्र मिश्र
रीतिकाव्य की भूमिका	:	डॉ० नगेन्द्र
साहित्येतिहास दर्शन	:	डॉ० नलिन विलोचन शर्मा

एम : ए : प्रथम सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र

भारतीय साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 515**

इकाई : 1

- भारतीय साहित्य का स्वरूप : अध्ययन की समस्याएँ
- भारतीय साहित्य : आज के भारत का बिम्ब

इकाई : 2

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय
  (बंगला, उड़िया, पंजाबी, मराठी, तेलुगु , कन्नड़)
- भारतीय साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई : 3

- कवितायें : व्याख्या और आलोचना
  (क) सबसे खतरनाक , मैं अब विदा लेता हूँ (पंजाबी) – अवतार सिंह 'पाश'
  (ख) बनलता सेन (बांग्ला) – जीवनानंद दास
  (ग) धनबाद का खनिक (मलयालम) – के0 सच्चिदानंदन

इकाई : 4

- उपन्यास और कहानियाँ : व्याख्या और आलोचना
  (क) उपन्यास : संस्कार (कन्नड़) – यू0 आर0 अनंतमूर्ति
  (ख) कहानी : आवारागर्द (उर्दू) – कुर्रतुल ऐन हैदर
  (ग) कहानी : साहब, दीदी और गुलाम (मराठी) – दया पवार

इकाई : 5

- नाटक और निबन्ध : व्याख्या और आलोचना
  (क) नाटक : खामोश अदालत जारी है (मराठी) – विजय तेंदुलकर
  (ख) निबन्ध : साहित्य का तात्पर्य (बांग्ला) – रवीन्द्र नाथ टैगोर
  (ग) निबन्ध : आत्मकथा, जीवनी और संस्मरण (हिन्दी) – अज्ञेय

संदर्भ पुस्तकें :

डॉ0 नगेन्द्र (सं0)	:	भारतीय साहित्य
इन्द्रनाथ चौधरी	:	भारतीय साहित्य की प्रवृत्तियां
लक्ष्मीकान्त पाण्डेय	:	भारतीय साहित्य
सुकुमार सेन	:	बंग्ला साहित्य का इतिहास
कल्याणी दास	:	बंग्ला साहित्य का इतिहास
अरुण कुमार	:	चयनम्